Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 19 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 23

टिकट रिजर्वेशन के बदले नियम

अब 4 नहीं 2 माह पहले होगा आरक्षण, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

नईदिल्ली । आरएनएस

ट्रेनों में यात्रा के लिए बनाए गए आरक्षण नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। यह बदलाव आरक्षण अवधि को लेकर किया गया। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों के लिए अग्रिम आरक्षण की अवधि यानी एडवांस रिजर्वेशन पीरियड को चार माह से घटाकर 2 माह कर दिया है। यानी अब यात्रा करने के लिए 60 दिन पहले आरक्षण करवा सकेंगे। 1 नवंबर से यह नया नियम लागू होगा। 31 अक्टूबर तक की गई बुकिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे बोर्ड द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

रेलवे द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 1 नवंबर से ट्रेनों में अग्रिम आरक्षण के लिए मौजूदा समय सीमा 120 दिनों से घटाकर 60 दिन कर दी जाएगी। 1 नवंबर 2024 से एडवांस रिजर्वेशन पीरियड एआरपी 60 दिनों (यात्रा के दिन को छोड़कर) की होगी और बुकिंग उसी के अनुसार की जाएगी। 120 दिनों के एआरपी के तहत 31 अक्टूबर 2024 तक की गई सभी बुकिंग बरकरार रहेंगी। 60 दिनों के एआरपी से परे की गई बुकिंग को रद्द करने की अनुमति होगी। ताज एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस आदि जैसी कुछ दिन के लिए चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों के मामले में कोई बदलाव नहीं होगा। विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिनों की समय सीमा के मामले में भी कोई बदलाव नहीं होगा।

4 माह पहले हो जाता था आरक्षण

वर्तमान नियमों के तहत यात्री अपनी यात्रा की योजना बनाने के बाद 4 माह पहले की टिकट बुक करा लेते थे। संभवतः इसके कारण यात्रियों को दिक्कतें भी होने लगी। बताया जा रहा है कि रेलवे बोर्ड को इस संबंध कई सुझाव मिले। चार माह पहले की गई यात्री की प्लानिंग अक्सर समय आने पर कैंसिल हो जाती थी। वहीं चार माह पहले से बुकिंग विंडो खुलने से कुछ ही दिनों में वेटिंग लिस्ट सामने आ जाती थी। आखिरी समय में यात्रा कैंसिल होने पर कई सीटें खाली भी जाती थी जिसका नुकसान रेलवे को होता था। अग्रिम आरक्षण अवधि कम किए जाने से यह समस्या दूर होने की संभावना है। अचानक यात्रा का प्लान बनाने वालों को भी नए नियम का लाभ मिल सकता है।

पुतिन के निमंत्रण पर रूस जाएंगे पीएम मोदी, ब्रिक्स समिट में लेंगे भाग

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 22-23 अक्टूबर को रूस का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री ग्रुप मेंबर्स के नेताओं और अन्य आमंत्रितों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। यह इस साल प्रधानमंत्री मोदी की रूस की दूसरी यात्रा है।

ग्रुप के नौ सदस्यों तक विस्तार होने के बाद यह पहला शिखर सम्मेलन है। मिस्र, ईरान, इथियोपिया और यूएई इस साल दक्षिण अफ्रीका में 2023-समिट में सदस्यता की पेशकश के बाद ग्रुप में शामिल हुए थे।

अर्जेंटीना और सऊदी अरब को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन सरकार बदलने के बाद अर्जेंटीना ने मना कर दिया, जबकि सऊदी अरब ने अभी तक जवाब नहीं दिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22-23 अक्टूबर को रूस की यात्रा करेंगे। वे यहां रूस की अध्यक्षता में कजान में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन का विषय न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है। यह आयोजन नेताओं को प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

बयान में कहा गया कि शिखर सम्मेलन ब्रिक्स द्वारा शुरू की गई पहलों का आकलन करने और भविष्य में सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान करने का एक मूल्यवान अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ब्रिक्स सदस्य देशों के अपने समकक्षों और कजान में आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव के अनुसार, कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 24 देशों के नेता और कुल 32 देशों के प्रतिनिधिमंडल भाग लेंगे, जिससे यह रूस में अब तक का सबसे बड़ा विदेश नीति कार्यक्रम बन जाएगा। मुख्य ब्रिक्स मीटिंग के अलावा, ब्रिक्स+ फॉर्मेट में ब्रिक्स और ग्लोबल साउथ: मिलकर विश्व के भविष्य का निर्माण, विषय पर बैठकें होंगी। इसमें एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और लैटिन अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

दिवाली पर पंजाब को दहलाने की साजिश, पाक से ड्रोन के जरिये भेजा लोडेड आईईडी और आरडीएक्स

चंडीगढ़ (आरएनएस)। दिवाली के मौके पर पंजाब और चंडीगढ़ में बड़े धमाके की साजिश को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नाकाम कर दिया। बीएसएफ के वीरवार को फाजिल्का बॉर्डर पर अबोहर के गांव बहादुरके में पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये भेजा लोडेड इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), एक किलोग्राम आरडीएक्स, बैटरी और टाइमर बरामद किया। पंजाब बीएसएफ फ्रंटियर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आईईडी पूरी तरह से लोडेड होने का मतलब है कि इससे जल्द ही पंजाब और चंडीगढ़ में किसी महत्वपूर्ण जगह आतंकी हमला किया जाना था। चंडीगढ़ में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के बाद से ही खुफिया एजेंसियों से बीएसएफ, पंजाब पुलिस और अन्य एजेंसियों को इसी सूचना लगातार मिल रही थी। बीएसएफ ने यह पूरा मामला अब फाजिल्का के स्टेट ऑपरेशन सेल को सौंप दिया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पंजाब बीएसएफ फ्रंटियर और पंजाब पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के आधार पर एनआईए और भारत की अन्य जांच एजेंसियां जांच को आगे बढ़ाएंगी।

जयपुर के मंदिर में जागरण के दौरान चाकूबाजी : 10 लोग घायल, पुलिस आरोपी पिता-पुत्र को किया गिरफ्तार

जयपुर (आरएनएस)। बीती रात जयपुर के करणी विहार इलाके में एक साधारण धार्मिक आयोजन ने अचानक एक हिंसक और खौफनाक मोड़ ले लिया, जब शरद पूर्णिमा के अवसर पर एक मंदिर में चल रहे जागरण के दौरान तेज आवाज को लेकर विवाद बढ़ गया। ये विवाद इतना भयानक हो गया कि वहां मौजूद लोगों पर चाकुओं से हमला कर दिया गया, जिसमें 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रात करीब 10 बजे, जब मंदिर में जागरण का कार्यक्रम चल रहा था और प्रसाद वितरण का समय था, तभी नजदीक ही रहने वाले नसीब चौधरी और उनके बेटे भीष्म चौधरी ने कार्यक्रम की आवाज पर आपत्ति जताई। कहासुनी इतनी बढ़ गई कि पिता-पुत्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर चाकुओं से हमला कर दिया। इस हिंसक हमले में शंकर बागड़ा, मुरारीलाल, राम पारीक, लाखन सिंह जादौन, पुष्पेंद्र और दिनेश शर्मा समेत 10 लोग घायल हो गए। ये सभी आरएसएस से जुड़े हैं। हमलावरों ने घायलों के पेट और छाती पर चाकू से वार किए, जिससे पूरे इलाके में खौफ का माहौल बन गया। घटना के तुरंत बाद, गुस्साई भीड़ ने दिल्ली-अजमेर हाइवे को जाम कर दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए मौके पर अतिरिक्त बल तैनात किया और समझाइश के बाद हाइवे का जाम खुलवाया।

20 अक्टूबर को वाराणसी दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी, तैयारियां पूरी

वाराणसी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को वाराणसी दौरे पर आ रहे हैं। उनके दौरे को लेकर पूरी तैयारियां हो चुकी हैं। इस संबंध में वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। उनका दौरा दोपहर में होगा और लगभग 6-7 घंटे तक चलेगा। इस दौरान, वे वाराणसी में 23 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे, जिनकी कुल लागत 611 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में शंकर हॉस्पिटल और सिविल एविएशन के एयरपोर्ट शामिल हैं। उन्होंने कहा, वाराणसी के लिए यह एक बड़ी सौगात है, जिसमें लगभग 3200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसके अलावा, देश के अन्य हिस्सों में भी लगभग 3400 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा, वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी, जहां प्रधानमंत्री परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा, सिगरा स्टेडियम में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, इसमें राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए एक एनसीओ स्थापित किया जाएगा। यहां खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि उन्हें किसी विशेष खेल में उचित प्रशिक्षण दिया जा सके। यहां के खिलाड़ी हमेशा से ही एक स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स की मांग करते हुए आ रहे थे, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया।

जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनते ही टारगेट किलिंग, गैर-कश्मीरी युवक की गोली मारकर हत्या

शोपियां । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर हिंसा फैलाते हुए एक गैर-स्थानीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना जैनापोरा इलाके में हुई, जहां सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पूरे इलाके को घेर लिया गया है। मृतक की पहचान बिहार निवासी अशोक चौहान के रूप में हुई है।

यह टारगेट किलिंग की घटना ऐसे समय हुई है जब नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में भी आतंकवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद गुरसाई टॉप इलाके के मोहरी शाहस्तर में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया।

कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद गुरसाई टॉप इलाके के मोहरी शाहस्तर में पुलिस और सेना ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों ने जंगल की ओर बढ़ रहे आतंकवादियों को ललकारा, जिसके बाद उनके बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों को भी तैनात किया। एक हेलीकॉप्टर भी वन क्षेत्र के ऊपर मंडराता देखा गया। राजौरी जिले में तीन संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब्बास अंसारी को दी जमानत

नई दिल्ली । आरएनएस

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के विधायक अब्बास अंसारी को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन मामले मंप जमानत दे दी। न्यायमूर्ति एम.एम.सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 9 मई के आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल ने आदेश दिया कि गैंगस्टर से राजनेता बने दिवंगत मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को निचली अदालत द्वारा लगाई गई शर्तों पर जमानत पर रिहा किया जाए। शीर्ष अदालत ने कहा कि निचली अदालत ऐसी शर्तें लगाएगी, जिससे आरोपी गवाहों को प्रभावित न कर सकें

या सबूतों से छेड़छाड़ न कर सकें। इससे पहले अगस्त में शीर्ष अदालत ने इस मामले में एक नोटिस जारी कर ईडी को उत्तर प्रदेश के मऊ से विधायक अंसारी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा था।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 9 मई के अपने आदेश में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह मुकदमे की सुनवाई जल्द से जल्द पूरी करे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की पीठ ने कहा, "इस अदालत को अभी यह विश्वास नहीं हो रहा है कि पीएमएलए की धारा 45 के अनुसार, आवेदक दोषी नहीं है या जमानत पर रहते हुए कोई अपराध नहीं करेगा।" अदालत ने अंसारी के खिलाफ ईडी द्वारा पेश किए गए धन के लेनदेन पर भी ध्यान दिया। इसने कहा कि मनी ट्रेल से पता चलता है कि अंसारी ने दो फर्मों मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन और मेसर्स आगाज के तहत पैसे का लेन-देन किया। ईडी ने आरोप लगाया है कि अंसारी ने धनशोधन के लिए इन कंपनियों का इस्तेमाल किया।

ईडी ने तीन अलग-अलग एफआईआर के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की। पहले आपराधिक मामले में यह आरोप लगाया गया था कि एक निर्माण कंपनी के भागीदारों ने रिकॉर्ड में हेराफेरी करके सार्वजनिक संपत्ति पर अतिक्रमण किया था। दूसरी एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि मुख्तार अंसारी ने विधायक निधि से स्कूल बनवाने के लिए पैसे लिए थे, जबकि स्कूल नहीं बना और जमीन का इस्तेमाल कृषि कार्यों के लिए किया जा रहा है। तीसरी एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि अंसारी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर सरकारी जमीन हड़प ली और अवैध मकान बनवा लिया। अब्बास अंसारी की रिहाई उनकी अलग-अलग याचिकाओं के परिणाम पर निर्भर करेगी। ये याचिकाएं गैरकानूनी जेल यात्रा और गैंगस्टर अधिनियम मामलों में जमानत की मांग कर रही हैं। इन याचिकाओं की सुनवाई शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष होगी।

उमर अब्दुल्ला ने मंत्रियों में विभागों का किया बंटवारा, मंत्रियों को मिला विभाग

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक से पहले अपने मंत्रियों में विभागों का बंटवारा किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस संदर्भ में एक आदेश भी जारी किया है।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को लोक निर्माण विभाग, खनन, श्रम एवं रोजगार, कौशल विकास विभाग सौंपा गया है। जबकि सकीना मसूद इट्टू को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा जावेद अहमद को राणा जल शक्ति, वन पर्यावरण, और ट्राइबल मामलों की जिम्मेदारी मिली है। जावेद अहमद डार को कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता एवं एवं निर्वाचन विभाग सौंपा गया है।

सतीश शर्मा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, युवा सेवा, खेल विभाग का कार्य भर दिया गया है। अन्य विभाग मुख्यमंत्री के अधीन रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर को जल्द मिलेगा राज्य का दर्जा, पीएम मोदी से मिलेंगे सीएम उमर अब्दुल्ला- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पेश किया है। सीएम की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई पहली कैबिनेट बैठक में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पारित किया गया। सूत्रों के मुताबिक प्रस्ताव का मसौदा तैयार हो चुका है और सीएम उमर अब्दुल्ला आने वाले दिनों में दिल्ली आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह मसौदा सौंपेंगे। इस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता शेख बशीर ने प्रतिक्रिया दी है।

शेख बशीर ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आखिरकार 10 साल बाद चुनाव हुए हैं और लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया है। कल उमर अब्दुल्ला ने सीमा से सटे उन इलाकों का दौरा किया, जहां नुकसान हुआ था। इसके बाद कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों की मुख्य मांगों में से एक राज्य का दर्जा बहाल करने पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि जैसे ही हमें पहली कैबिनेट मीटिंग में मौका मिलेगा, हम इसे पास कर देंगे और उन्होंने इसे पास भी कर दिया। उमर ने उम्मीद जताई है कि केंद्र सरकार भी इस पर विचार करेगी और जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल करेगी। कल जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए शेर-ए-कश्मीर भवन में होंगे। जहां तक प्रधानमंत्री से दोबारा मिलने और प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की बात है, तो इस पर फैसला वही करेंगे, क्योंकि वह पहले ही प्रधानमंत्री से मिल चुके हैं और वह उचित समय पर प्रस्ताव को आगे बढ़ाएंगे।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी द्वारा डोडा सीट से जीत हासिल कर नेशनल कान्फ्रेंस का समर्थन देने पर शेख बशीर ने कहा, आम आदमी पार्टी का कोई सदस्य पहली बार जम्मू-कश्मीर की राजनीति में आया है और उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन किया है। इससे पता चलता है कि समान विचारधारा वाली पार्टियां जम्मू-कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। वर्तमान में, महंगाई और बेरोजगारी के साथ-साथ नौकरशाही व्यवस्था के कारण कई अन्य समस्याएं हैं।

पोस्ट ऑफिस में करोड़ों की धोखाधड़ी, 1500 लोगों के खातों से गायब हो गए पैसे; पोस्टमास्टर फरार

बागेश्वर । आरएनएस

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के सिमगढ़ी में डाकघर में हड़कंप मचा हुआ है। यहां 1500 से अधिक लोगों की जीवन भर की जमा पूंजी गायब हो गई है। यह मामला तब सामने आया जब खाताधारकों ने अपनी पासबुक ऑनलाइन चेक की। ऑनलाइन चेक करने पर पता चला कि उनके खातों से बड़ी रकम गायब है। बताया जा रहा है कि यह मामला तब गंभीर हुआ जब पोस्टमास्टर फरार हो गया।

खबर फैलते ही बागेश्वर के सिमगढ़ी, मझेड़ा और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग कमेड़ीदेवी पोस्ट ऑफिस पहुंच गए। जब उन्होंने अपनी पासबुक ऑनलाइन चेक की तो उन्हें पता चला कि उनके खातों में जमा राशि गायब है। 70 वर्षीय शारदा देवी ने बताया कि उन्होंने चार साल में 2 लाख रुपये जमा किए थे, लेकिन अब उनके खाते में सिर्फ 2 हजार रुपये बचे हैं। इसी तरह राकेश राठौर ने 12 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट कराई थी, लेकिन उनके खाते में शून्य बैलेंस दिखा रहा है।

इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। खाताधारकों का आरोप है कि उन्हें धोखे में रखा गया और उनकी मेहनत की कमाई हड़प ली गई। स्थानीय पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। स्टेशन ऑफिसर खुशवंत सिंह ने बताया कि वे सभी संबंधित अधिकारियों से जानकारी जुटा रहे हैं और मामले में जरूरी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अभी पोस्टमास्टर की तलाश कर रही है।

रामनगरी अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान भव्य ड्रोन शो कराएगी योगी सरकार

अयोध्या । आरएनएस

अयोध्या में भक्ति, अध्यात्म, आधुनिकता और संकल्प की शक्ति को सार्थक करने में जुटी योगी सरकार दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए एरियल ड्रोन शो का आयोजन करेगी। सीएम योगी के विजन अनुसार, अयोध्या के आकाश में रंग-बिरंगी रोशनी युक्त 500 ड्रोन के जरिए भव्य एरियल ड्रोन शो का आयोजन होगा।

इसके जरिए, दीपोत्सव के दौरान मुख्य कार्यक्रम में 15 मिनट तक एरियल ड्रोन शो आयोजन होगा। इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मेड इन इंडिया ड्रोन का इस्तेमाल होगा।

एरियल ड्रोन शो के जरिए प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमान जी की वीर मुद्रा का लोग दर्शन कर सकेंगे और इस कार्यक्रम में लेजर लाइट्स, वॉयस ओवर व म्यूजिकल नैरेशन के जरिए समां बांधा जाएगा।

रावण वध, पुष्पक विमान, दीपोत्सव, राम दरबार, वाल्मीकि, तुलसीदास और राम मंदिर को भी अयोध्या के आकाश में ड्रोन के जरिए दर्शाया जाएगा, जिसे देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो उठेंगे। वहीं, दीपोत्सव, यूपी सरकार व पर्यटन विभाग के लोगो भी कार्यक्रम में अयोध्या के आकाश में साकार हो उठेंगे।

प्रभु रामलला के विग्रह के भव्य मंदिर में विराजित होने के बाद पहली बार आयोजित होने जा रहे दीपोत्सव कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ जा रही है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, 8वें दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए एरियल ड्रोन शो का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार होगा। 30 अक्टूबर को होने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम से पूर्व 29 अक्टूबर को ड्रोन शो की रिहर्सल भी की जाएगी, जिससे ड्रोन के समन्वय और फॉर्मेशन के सही क्रम को परखा जाएगा। राम की पैड़ी पर इस ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा।

आयोजन के अंतर्गत, 15 फॉर्मेशंस को आकाश में साकार करने की योजना है। इन कार्यों को पूरा करने के लिए, एनिमेशन के साथ डीटेल्ड स्टोरीबोर्ड का निर्माण किया जाएगा, जिसे उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत किया जाएगा। आकाश में बनने वाले फॉर्मेशंस को सपोर्ट करने के लिए कॉन्सेप्ट, पटकथा, बैकग्राउंड म्यूजिक, वॉयसओवर, नैरेशन और लेजर लाइट्स समेत विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा, जिन पर कार्य शुरू हो गया है।

राम की पैड़ी पर लेजर लाइट एंड साउंड शो के जरिए प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को प्रदर्शित किया जाएगा। यूं तो प्रतिदिन राम की पैड़ी पर लेजर व साउंड शो का आयोजन होता है, मगर प्रत्येक वर्ष दीपोत्सव के मुख्य आयोजन में यह कार्यक्रम आकर्षण के केंद्र में होता है। ड्रोन शो के साथ ही साउंड व लेजर शो का भी आयोजन किया जाएगा और इसे आर्टिस्टिकली डिजाइंड ग्रीन फायरक्रैकर्स की आतिशबाजी का साथ मिलेगा, जो आयोजन स्थल समेत समूचे अयोध्या के आकाश की आभा में चार चांद लगा देते हैं।